INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF HUMANITIES AND INTERDISCIPLINARY STUDIES
(Peer-reviewed, Refereed, Indexed & Open Access Journal)
DOI : 03.2021-11278686 ISSN : 2582-8568 IMPACT FACTOR : 7.560 (SJIF 2024)

ग्रामीण पर्यटन की संभावनाएँः अल्मोड़ा जनपद के विशेष संदर्भ में।

(Potential for Rural Tourism in Almora District)

Bhuwan Ch Joshi
Research Scholar,
SSJ University,
Almora, (Uttarakhand, India)

Dr. Dinesh Joshi
Assistant Professor,
Kumoun University,
Nainital, (Uttarakhand, India)

DOI No. 03.2021-11278686 **DOI Link ::** https://doi-ds.org/doilink/11.2024-22936211/IRJHIS2411001

शोध का सार :

अल्मोड़ा जनपद, उत्तराखंड राज्य के प्रमुख पर्वतीय जिलों में से एक है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक धरोहर और पारंपरिक गांवों के लिए प्रसिद्ध है। इस शोध पत्र में अल्मोड़ा जनपद में ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं का विश्लेषण किया गया है। शोध में यह पाया गया कि इस क्षेत्र में पर्यावरण पर्यटन, पारंपरिक गाँव पर्यटन और हस्तशिल्प पर्यटन जैसी विभिन्न संभावनाएँ हैं। हालांकि, बुनियादी सुविधाओं की कमी, प्रचार–प्रसार की कमी और स्थानीय लोगों की जागरूकता की कमी जैसी चुनौतियाँ भी हैं। उचित योजनाओं और प्रयासों से इन चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है और अल्मोड़ा जनपद में ग्रामीण पर्यटन को सफलतापूर्वक विकसित किया जा सकता है।

***प्रमुख शब्द** (Keywords) :*

ग्रामीण पर्यटन, पर्यावरण पर्यटन, पारंपरिक गाँव पर्यटन, हस्तशिल्प पर्यटन, पर्यावरणीय संतुलन, बुनियादी सुविधाएँ, स्थानीय समुदाय।

प्रस्तावना :

अल्मोड़ा जनपद, उत्तराखंड राज्य के प्रमुख पर्वतीय जिलों में से एक है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक धरोहर और पारंपरिक गांवों के लिए प्रसिद्ध है। यह क्षेत्र हिमालय की गोद में बसा है और अपने मनोहारी दृश्यों, हरे–भरे जंगलों, स्वच्छ नदियों और प्राचीन मंदिरों के लिए जाना जाता है। अल्मोड़ा की लोक संस्कृति, परंपराएं और हस्तशिल्प इस क्षेत्र की विशिष्ट पहचान हैं।

ग्रामीण पर्यटन, जिसे हम विलेज टूरिज्म भी कहते हैं, पर्यटकों को ग्रामीण क्षेत्रों की जीवनशैली, संस्कृति और परंपराओं का अनुभव प्रदान करता है। यह पर्यटन का एक विशेष रूप है जो शहरी जीवन की भागदौड़ से दूर शांति और सुकून की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए अत्यधिक आकर्षक है। ग्रामीण पर्यटन न केवल पर्यटकों को अनूठा अनुभव प्रदान करता है, बल्कि स्थानीय समुदायों के आर्थिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अल्मोड़ा जनपद में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं। यहाँ के ग्रामीण इलाकों में पर्यावरण पर्यटन, पारंपरिक गाँव पर्यटन और हस्तशिल्प पर्यटन जैसी विभिन्न गतिविधियाँ विकसित की जा सकती हैं। पर्यावरण पर्यटन के अंतर्गत ट्रेकिंग, बर्ड वॉचिंग, और कैंपिंग जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं, जो पर्यटकों को प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने का अवसर प्रदान करती हैं। पारंपरिक गाँव पर्यटन में पर्यटक गाँव की जीवनशैली, स्थानीय भोजन, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अनुभव कर सकते हैं।

हस्तशिल्प पर्यटन में पर्यटक स्थानीय कारीगरों द्वारा निर्मित वस्त्र, तांबे के बर्तन, और लकड़ी के काम की खरीदारी कर सकते हैं।

हालांकि, अल्मोड़ा जनपद में ग्रामीण पर्यटन के विकास के रास्ते में कई चुनौतियाँ भी हैं। बुनियादी सुविधाओं की कमी, प्रचार–प्रसार की कमी और स्थानीय लोगों की जागरूकता की कमी प्रमुख चुनौतियाँ हैं। इन चुनौतियों का समाधान निकालना और ग्रामीण पर्यटन के लिए आवश्यक सुविधाओं का विकास करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

ग्रामीण पर्यटन के विकास से न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सकता है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन भी बनाए रखा जा सकता है। इससे रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे, स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि होगी और उनकी जीवनशैली में सुधार होगा। साथ ही, यह पर्यटकों को एक अनूठा और यादगार अनुभव प्रदान करेगा, जो उन्हें बार–बार अल्मोड़ा आने के लिए प्रेरित करेगा।

अल्मोड़ा जनपद की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर इसे ग्रामीण पर्यटन के लिए एक आदर्श गंतव्य बनाती है। यहाँ के प्रमुख पर्यटन स्थल जैसे कि कसार देवी, जागेश्वर धाम, कटारमल सूर्य मंदिर, और बिनसर वन्यजीव अभयारण्य पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। इन स्थलों की ऐतिहासिक, धार्मिक और प्राकृतिक महत्ता इस क्षेत्र को और भी महत्वपूर्ण बनाती है।

ग्रामीण पर्यटन के विकास से अल्मोड़ा के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ होगा। प्रत्यक्ष लाभों में रोजगार सृजन, आय में वृद्धि और बुनियादी सुविधाओं का विकास शामिल हैं। अप्रत्यक्ष लाभों में सामाजिक–सांस्कृतिक संरक्षण, पर्यावरणीय जागरूकता और स्थायी विकास शामिल हैं। ग्रामीण पर्यटन से स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे वे पलायन करने की बजाय अपने गाँव में रहकर ही रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

अल्मोड़ा जनपद में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार, गैर–सरकारी संगठनों और स्थानीय समुदायों के बीच समन्वय आवश्यक है। सरकार को पर्यटन के विकास के लिए आवश्यक नीतियों और योजनाओं का निर्माण करना चाहिए। गैर–सरकारी संगठनों को स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर पर्यटन के लाभों के प्रति जागरूकता फैलानी चाहिए और उन्हें पर्यटन से संबंधित सेवाओं के लिए प्रशिक्षित करना चाहिए। स्थानीय समुदायों को भी पर्यटन के विकास में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए और पर्यटकों के स्वागत और सेवा में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए अल्मोड़ा जनपद में बुनियादी सुविधाओं का विकास, प्रचार–प्रसार की व्यवस्था और स्थानीय लोगों की जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए जाने चाहिए। इसके साथ ही, पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा के लिए आवश्यक उपाय भी किए जाने चाहिए। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न प्रचार माध्यमों का उपयोग किया जा सकता है, जैसे कि डिजिटल मार्केटिंग, सोशल मीडिया, और पर्यटन मेलों का आयोजन। स्थानीय लोगों को पर्यटन से संबंधित सेवाओं के लिए प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकता है।

इस प्रकार, अल्मोड़ा जनपद में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं, जिन्हें उचित योजनाओं और प्रयासों से विकसित किया जा सकता है। इससे न केवल स्थानीय समुदायों को आर्थिक और सामाजिक लाभ मिलेगा, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन भी बनाए रखा जा सकेगा। साथ ही, पर्यटकों को एक अनूठा और यादगार अनुभव प्राप्त होगा, जो उन्हें बार–बार अल्मोड़ा आने के लिए प्रेरित करेगा।

नीचे दी गई सारणी में अल्मोड़ा जनपद में पिछले 5 वर्षों (2017–2021) के दौरान आने वाले पर्यटकों की संख्या का विवरण दिया गया है।

वर्ष	घरेलू पर्यटक	विदेशी पर्यटक	कुल पर्यटक
2017	108178	4524	112702
2018	114198	4144	118342
2019	123416	5258	128674
2020	18499	702	19201
2021	38027	171	38198

स्रोत: Uttarakhand Tourism Statistics

यह आंकड़े COVID 19 महामारी के कारण 2020 और 2021 में कमी का प्रदर्शन करते हैं।

शोध का उद्देश्य :

इस शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य अल्मोड़ा जनपद में ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं का विश्लेषण करना है। इसमें पर्यटन की विकासात्मक संभावनाओं, आर्थिक लाभ, सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों का अध्ययन किया जाएगा।

शोध की आवश्यकता :

अल्मोड़ा जनपद में ग्रामीण पर्यटन के विकास की आवश्यकता इसलिए है क्योंकि यह क्षेत्र प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण है लेकिन यहाँ के अधिकांश लोग आर्थिक रूप से कमजोर हैं। पर्यटन से प्राप्त होने वाली आय स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर को बेहतर बना सकती है और ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकती ळें

शोध की विधि :

इस शोध पत्र के लिए द्वितीयक डेटा संग्रह किया गया। द्वितीयक डेटा के लिए सरकारी रिपोर्ट, पर्यटन विभाग के दस्तावेज और अन्य शोध पत्रों का अध्ययन किया गया।

अल्मोड़ा जनपद की विशेषताएँ :

अल्मोड़ा जनपद की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं –

1. **प्राकृतिक सुंदरता :** हिमालय की गोद में बसे इस जिले में हरियाली से भरपूर वन, ऊंचे–ऊंचे पर्वत और स्वच्छ नदियाँ हैं।
2. **संस्कृति और परंपरा :** यहाँ की लोक संस्कृति, संगीत, नृत्य और हस्तशिल्प स्थानीय और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।
3. **ऐतिहासिक महत्व** : अल्मोड़ा के किले, मंदिर और अन्य ऐतिहासिक स्थल इस क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास की गवाही देते हैं।

ग्रामीण पर्यटन की संभावनाएँ :

1. **पारंपरिक गाँव पर्यटन :** अल्मोड़ा के पारंपरिक गाँव पर्यटकों को गाँव की जीवनशैली, स्थानीय भोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अनुभव प्रदान कर सकते हैं।
2. **पर्यावरण पर्यटन :** ट्रेकिंग, बर्ड वॉचिंग और कैंपिंग जैसी गतिविधियाँ पर्यटकों को आकर्षित कर सकती हैं।
3. **हस्तशिल्प और हस्तकला :** स्थानीय कारीगरों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प वस्त्र, तांबे के बर्तन और लकड़ी के काम पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हो सकते हैं।

ग्रामीण पर्यटन के विविध प्रकार एवं उनका महत्व :

ग्रामीण पर्यटन, जिसे ''विलेज टूरिज्म'' भी कहा जाता है, पर्यटकों को ग्रामीण क्षेत्रों की जीवनशैली, संस्कृति और परंपराओं का अनुभव प्रदान करता है। यह पर्यटन का एक विशेष रूप है जो शहरी जीवन की भागदौड़ से दूर शांति और सुकून की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए अत्यधिक आकर्षक है। ग्रामीण पर्यटन के विभिन्न प्रकार और उनके महत्व निम्नलिखित हैं:

ग्रामीण पर्यटन के विविध प्रकार :

1. **पारंपरिक गाँव पर्यटन (Traditional Village Tourism)**

यह पर्यटन का एक प्रकार है जिसमें पर्यटक ग्रामीण क्षेत्रों के पारंपरिक गाँवों का दौरा करते हैं और वहाँ की जीवनशैली, रीति–रिवाजों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अनुभव करते हैं।

महत्व : पर्यटकों को ग्रामीण संस्कृति और परंपराओं के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। इससे ग्रामीण समुदायों को आर्थिक लाभ होता है और उनकी संस्कृति को संरक्षित करने में सहायता मिलती है।

2. **पर्यावरण पर्यटन (Eco & Tourism)**

पर्यावरण पर्यटन में पर्यटक प्राकृतिक स्थलों का दौरा करते हैं और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से पर्यावरण के प्रति जागरूक रहते हैं। इसमें ट्रेकिंग, बर्ड वॉचिंग और कैंपिंग जैसी गतिविधियाँ शामिल होती हैं।

महत्वः पर्यावरण पर्यटन से पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है और पर्यटकों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ती है। यह स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देता है।

3. **कृषि पर्यटन (Agri & Tourism)**

कृषि पर्यटन में पर्यटक ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि गतिविधियों का अनुभव करते हैं, जैसे कि खेतों में काम करना, फसलों की कटाई, और पशुपालन। यह पर्यटन कृषि आधारित जीवनशैली को करीब से देखने का अवसर प्रदान करता है।

महत्वः कृषि पर्यटन से किसानों की आय में वृद्धि होती है और पर्यटकों को कृषि जीवनशैली और जैविक खेती के बारे में जानकारी मिलती है।

4. **सांस्कृतिक पर्यटन (Cultural Tourism)**

सांस्कृतिक पर्यटन में पर्यटक ग्रामीण क्षेत्रों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों, मेलों, त्यौहारों और पारंपरिक हस्तशिल्प का अनुभव करते हैं।

महत्वः इससे स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण होता है और पर्यटकों को सांस्कृतिक विविधता का अनुभव मिलता है। यह स्थानीय कारीगरों और कलाकारों को आर्थिक लाभ भी प्रदान करता है।

5. **स्वास्थ्य पर्यटन (Health Tourism)**

स्वास्थ्य पर्यटन में पर्यटक ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित आयुर्वेदिक केंद्रों, योग आश्रमों और प्राकृतिक चिकित्सा केंद्रों का दौरा करते हैं और स्वास्थ्य सुधार के लिए विभिन्न उपचारों का लाभ उठाते हैं।

महत्वः इससे पर्यटकों का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विकास होता है।

6. **एडवेंचर पर्यटन (Adventure Tourism)**

एडवेंचर पर्यटन में पर्यटक ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित पहाड़ों, जंगलों और नदियों में रोमांचक गतिविधियों का अनुभव करते हैं, जैसे कि ट्रेकिंग, रिवर राफ्टिंग, और रॉक क्लाइम्बिंग।

महत्वः इससे पर्यटकों को रोमांचक अनुभव मिलता है और ग्रामीण क्षेत्रों में एडवेंचर गतिविधियों का विकास होता है। यह स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करता है।

ग्रामीण पर्यटन का महत्व :

1. **आर्थिक विकास–** ग्रामीण पर्यटन से स्थानीय समुदायों की आय में वृद्धि होती है। पर्यटकों द्वारा खर्च की गई राशि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिलता है और स्थानीय व्यापार और उद्योगों का विकास होता है।
2. **रोजगार सृजन–** ग्रामीण पर्यटन से स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलते हैं। पर्यटन से संबंधित सेवाओं जैसे कि गाइड, होमस्टे, रेस्टोरेंट और हस्तशिल्प की बिक्री में वृद्धि होती है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है।
3. **संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण–** ग्रामीण पर्यटन से स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण होता है। पर्यटकों को स्थानीय त्योहारों, नृत्य, संगीत और हस्तशिल्प का अनुभव करने का अवसर मिलता है, जिससे इन सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित रखने में मदद मिलती है।
4. **पर्यावरणीय संतुलन–** पर्यावरण पर्यटन से पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। पर्यटकों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने से प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है और वन्यजीवों का संरक्षण भी संभव हो पाता है।
5. **स्थानीय समुदायों का विकास–** ग्रामीण पर्यटन से स्थानीय समुदायों का समग्र विकास होता है। पर्यटन के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी सुविधाओं में सुधार होता है, जिससे स्थानीय लोगों का जीवन स्तर बेहतर होता है।

चुनौतियाँ :

1. बुनियादी सुविधाओं की कमीरू सड़कों, स्वास्थ्य सेवाओं और संचार सुविधाओं की कमी पर्यटकों के लिए एक बड़ी बाधा है।
2. प्रचार–प्रसार की कमीरू अल्मोड़ा के ग्रामीण पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी का अभाव पर्यटकों की संख्या को प्रभावित करता है।

3. स्थानीय लोगों की जागरूकतारू ग्रामीण पर्यटन के लाभों के प्रति स्थानीय समुदायों में जागरूकता की कमी है।

निष्कर्ष :

अल्मोड़ा जनपद में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं, जो इस क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार और स्थानीय समुदाय मिलकर पर्यटन सुविधाओं का विकास करें, पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए प्रचार–प्रसार करें और ग्रामीण पर्यटन की चुनौतियों का समाधान निकालें।

सिफारिशें :

1. सड़क और परिवहन सुविधाओं का विकासरू पर्यटकों की सुविधा के लिए बेहतर सड़क और परिवहन सुविधाएँ विकसित की जाएँ।

2. पर्यटन सूचना केंद्ररू प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सूचना केंद्र स्थापित किए जाएँ, जहाँ पर्यटकों को आवश्यक जानकारी मिल सके।

3. स्थानीय लोगों का प्रशिक्षणरू स्थानीय समुदायों को पर्यटन से संबंधित सेवाओं के लिए प्रशिक्षित किया जाए, ताकि वे पर्यटकों को बेहतर सेवा प्रदान कर सकें।

संदर्भ :

1. उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड. (2022). उत्तराखंड में पर्यटन सांख्यिकी. https://uttarakhandtourism.gov.in
2. जिला प्रशासन, अल्मोड़ा. (2022). अल्मोड़ा का वार्षिक पर्यटन रिपोर्ट - https://almora.nic.in
3. कुमाऊं विश्वविद्यालय. (2022). अल्मोड़ा जिले में ग्रामीण पर्यटन का सामाजिक–आर्थिक प्रभाव. http://kunainital.ac.in
4. उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड. (2022). उत्तराखंड में पर्यटन सांख्यिकी. https://uttarakhandtourism.gov.in/
5. जिला प्रशासन, अल्मोड़ा. (2022). अल्मोड़ा का वार्षिक पर्यटन रिपोर्ट https://almora.nic.in
6. भट्ट, एस. (2019). उत्तराखंड में ग्रामीण पर्यटन की संभावनाएँः अल्मोड़ा जनपद का अध्ययन. भारतीय पर्यटन अध्ययन पत्रिका, 12(1), 45–53.
7. शर्मा, ए. (2020). ग्रामीण पर्यटन के माध्यम से उत्तराखंड का विकास. राष्ट्रीय पर्यटन शोध पत्रिका, 15(2), 78–85.
8. सिंह, आर. (2021). उत्तराखंड में पर्यावरण पर्यटनरू चुनौतियाँ और संभावनाएँ. पर्यावरणीय अध्ययन, 14(3), 123–130.
9. कुमाऊं विश्वविद्यालय. (2023). अल्मोड़ा जिले में पर्यटन से संबंधित चुनौतियाँ और उनके समाधान. http://kunainital-ac-in/
10. उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड. (2021). उत्तराखंड के ग्रामीण पर्यटन स्थलों का सर्वेक्षण रिपोर्ट. https://uttarakhandtourism-gov-in/
11. जिला प्रशासन, अल्मोड़ा. (2021). अल्मोड़ा जिले में पर्यावरणीय संतुलन और पर्यटन. https://almora-nic-in/
12. मिश्रा, पी. (2020). ग्रामीण पर्यटन उत्तराखंड के विकास में भूमिका. भारत पर्यटन और सांस्कृतिक अध्ययन, 10(2), 95–102.